वसुधैव कुटुम्बकम्

E EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTU

आज़ादी का अमृत महोत्सव

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

Volume: August 2023

Gangavataranam E-Newsletter

Issued by: THDC India Limited

For Internal Circulation Only

मुख्य संरक्षक
श्री आर. के. विश्नोई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संरक्षक
श्री शैलेन्द्र सिंह
निदेशक (कार्मिक)

संपादक
डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
अपर महाप्रबंधक
(मानव संसाधन एवं जनसंपर्क)

उप संपादक
सुश्री काजल परमार
वरि. जनसंपर्क अधिकारी

विशिष्ट सहयोग
श्री पंकज कुमार शर्मा
उप प्रबंधक (राजभाषा)

सहायक संपादक
श्री ईशान भूषण
वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी

समन्वयक

टिहरी
श्री मनवीर नेगी
प्रबंधक (ज.स.)

कोटेश्वर
श्री आर.डी. मंमगाई
उप प्रबंधक (ज.स.)

कौशाम्बी
श्री बी.एस. चौहान
वरि. ज. सं. अधिकारी

पीपलकोटी
श्री यतवीर सिंह चौहान
उप प्रबंधक (ज.स.)

खुर्जा
श्री वडलकोंडा, श्री तेजा
वरिष्ठ मा. सं. अधिकारी

Contents

CMD Message	1
CMD held a meeting with Hon'ble Lt. Governor of J&K	5.
THDCIL received NTPC Rajbhasha Shield(Consolation) Award & Safety Audit at Kasaragod	6.
77th Independence Day Celebrated	7.
Angadan Mahotsav	11.
Health and Hygiene Awareness Programme	12.
THDCIL conferred with CR Times Award	13.
Meeting of Narakas Haridwar	14.
Meri Maati Mera Desh Campaign	15.
ICPSU Table Tennis Tournament & Ladies Welfare Association	16.
Gender Sensitization & POSH Act Training Programme & National Sports Day	17.
DM & SSP Visit to KSTPP	18.
Relief Works by VPHEP	19.
Retirement	20.

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय का स्वतंत्रता दिवस संदेश

THDC इंडिया लिमिटेड परिवार के मेरे प्रिय साथियों !

स्वतंत्रता दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और अभिनंदन !

स्वतंत्रता दिवस हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण दिन है जब हम अपनी राष्ट्रवाद की भावना को जीवंत बनाते हैं और साथ ही स्वतंत्रता का जश्न मनाते हैं । ये वो दिन है जो हमें धर्म, जाति, संप्रदाय प्रान्त और भाषा की सोच से ऊपर उठकर “एक राष्ट्र और एक स्वर” की भावना से अभिभूत करता है ।

आस्थाओं, परम्पराओं, शौर्य और ऐतिहासिक विरासत से जुड़ी उत्तराखंड की इस पावन भूमि से हम देश की आज़ादी के संघर्ष में अपने प्राणों को न्योछावर करने वाले माँ भारती के वीर सपूतों को नमन करते हैं, और उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान की अभिव्यक्ति करते हैं ।

आज, हम भारत का 77वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं । सभी देशवासियों के लिए यह विशेष दिन है जो हमारे दिलों को देश-प्रेम की वीर गाथाओं से भर देता है । भारत मां के बहादुर स्वतंत्रता सैनानियों के बलिदान के लिए हम उनको नमन करते हैं । आज भारत की सीमाओं की रक्षा करने वाले सभी जवानों को हम कृतज्ञता से सलाम करते हैं । 15 अगस्त, 1947 को भारत को 200 वर्षों की ब्रिटिश गुलामी के बाद आज़ादी मिली । आज 76 वर्षों बाद जब हम इस दिन को गर्व से मनाते हैं तो हमें ध्यान रखना चाहिए कि हम मातृभूमि के प्रति अपने कर्तव्यों को न भूलें ।

आज़ादी के बाद से भारत ने प्रगति के सोपान तेज़ी से चढ़े हैं। आज भारत एक विकासशील देश से विकसित देशों की कतार में शामिल होने की तैयारी में है । कठिनाइयों को पार करते हुए हम उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हैं । आज पूरा विश्व यह मान रहा है कि आने वाला समय भारत का होगा, और हम सभी को इसे साकार करने के लिए पूरी मेहनत से लक्ष्य की ओर बढ़ना होगा । देश की फ्लैगशिप कंपनी होने के नाते टीएचडीसी भी देश के साथ-साथ विकसित हुआ है ।

किसी भी देश के समग्र विकास और जन- जन की ख़ुशहाली के लिए ऊर्जा संसाधन मूल आवश्यकता हैं।आज़ादी के बाद विकास पथ पर आगे बढ़ने के लिए देश को विकास के उजियारे की आवश्यकता थी और टीएचडीसी का उस निर्णयात्मक समय में ऊर्जा के स्रोत के रूप में उदय हुआ। अपने प्रारंभिक वर्षों में टीएचडीसी ने भी संघर्ष और अस्थिरता के रास्तों को पार किया है, विशेष रूप से उस दौर में, जबकि टीएचडीसी के टिहरी डैम के निर्माण के समय पर्यावरण और स्थानीय लोगों की ख़ुशहाली को लेकर अनेक प्रकार की भ्रांतियां थी । ऐसे समय में कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए, टीएचडीसी की कई पीढ़ियों ने राष्ट्र निर्माण की अलख जगाए रखी। विगत 35 वर्षों में टीएचडीसी ने भीषण संघर्षों तथा चुनौतियों के दौर को जिया है और शानदार सफलताओं तथा उपलब्धियों की आभा भी देखी है। इसका नतीजा है कि आज टीएचडीसी देश की ऊर्जा और भारत की प्रगति में सहभागी है ।

35 वर्ष पूर्व रोपा गया एक छोटा सा पौधा आज एक विशाल वट वृक्ष का रूप ले चुका है। टिहरी जल विद्युत परियोजना के दक्षतापूर्ण कार्यान्वयन के उद्देश्य से बनाई गयी यह कम्पनी आज न केवल हाइड्रोपावर के क्षेत्र में देश में अग्रणी स्थान पर है बल्कि थर्मल पॉवर, सोलर एनर्जी और विंड एनर्जी के क्षेत्र में सुदृढ़ पहचान बना रही है। टिहरी पीएसपी, जिसकी कमीशनिंग मौजूदा वर्ष में करने के लिए हम वचनबद्ध हैं, टीएचडीसी की विकास यात्रा में एक नए युग का सूत्रपात करेगी। इस चुनौतीपूर्ण कार्य को साहस तथा लगन के साथ पूर्णता तक पंहुचाने के लिए, टीम पीएसपी निश्चय ही बधाई की पात्र है ।

1320MW की खुर्जा सुपर थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट के निर्माण का कार्य भी निर्धारित लक्ष्य से आगे चल रहा है तथा मुझे यह जानकारी साझा करते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है कि आगामी फरवरी 2024 में इस परियोजना से विद्युत उत्पादन प्रारम्भ हो जायेगा। इस अद्वितीय उपलब्धि के लिए मैं टीम खुर्जा को साधुवाद तथा बधाई देता हूँ ।

अनेक चुनौतियों को पार करते हुए विष्णुगाड पीपलकोटी परियोजना का कार्य भी अब पूर्णतः नियंत्रण में है तथा अब इस परियोजना को पुनर्निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करना हमारा दायित्व है।

मार्च 2023 में समाप्त हुए वित्त वर्ष में कम्पनी ने 4,935MU बिजली का उत्पादन कर, एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। हमेशा की तरह हमारी टिहरी तथा कोटेश्वर परियोजनाओं ने डिज़ाइन ऊर्जा तथा PAF के निर्धारित लक्ष्यों से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। ढुकवाँ लघु विद्युत परियोजना तथा कासरगोड सौर ऊर्जा संयंत्र ने भी विगत वर्ष में रिकार्ड बिजली का उत्पादन किया है।

भारत सरकार और अरुणाचल सरकार द्वारा टीएचडीसीआईएल को अरुणाचल प्रदेश में जलविद्युत क्षेत्र की 2 मेगा परियोजनाओं को कार्यान्वित करने की जिम्मेदारी दी गई,जो कि टीएचडीसी क्षमताओं में भारत सरकार तथा सुदूर राज्यों की शासन व्यवस्थाओं द्वारा व्यक्त किये गए विश्वास का प्रमाण है।

वर्तमान में जब भारत को जी 20 देशों का नेतृत्व करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है,तब अंतर्राष्ट्रीय जगत में हमारे देश का एक विशिष्ट स्थान बन जाता है। ऐसी परिस्थितियों में वैश्विक विषयों पर हमारी सोच,प्रतिबद्धता तथा इस दिशा में हमारे द्वारा की जाने वाली पहल पर सारी दुनिया की निगाह है। ऐसे में पर्यावरण के प्रति सजगता दिखाते हुए नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापक प्रयास करने की आवश्यकता है। हमारी सरकार तथा माननीय प्रधानमंत्री इस ओर पूरी तरह कटिबद्ध हैं तथा सौर ऊर्जा,पवन ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। अक्षय ऊर्जा के सफल तथा दक्षतापूर्ण निष्पादन में पीएसपी परियोजनाओं का भी महत्वपूर्ण स्थान है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए भारत सरकार ने पीएसपी के विकास को अभियान के रूप में प्रतिपादित किया है। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड भी इस सम्बन्ध में अपने उत्तरदायित्व को भली भांति आत्मसात करते हुए,इस दिशा में गतिशील है। देश में अक्षय ऊर्जा तथा पीएसपी के विकास में टीएचडीसी सर्वाधिक महत्वपूर्ण संस्था के रूप में उभरी है ।

हाल ही में हमने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड और राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड के मध्य एक संयुक्त उद्यम का गठन किया है जो राजस्थान में 10,000 मे.वा.अल्ट्रा मेगा अक्षय ऊर्जा पार्कों के विकास का महत्वपूर्ण कार्य करेगा | अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निगम द्वारा यह महत्वपूर्ण कदम है तथा इससे देश के हरित ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में योगदान मिलेगा, यह हम सभी के लिए बड़ी उपलब्धि है | कॉरपोरेशन भारत सरकार के स्वच्छ ऊर्जा अभियान में 2030 तक 450 गीगावाट अक्षयऊर्जा प्राप्त करने के लक्ष्य में अपना सम्पूर्ण योगदान दे रहा है | इसी के साथ हमारे TUSCO के माध्यम से झांसी और ललितपुर में 600 MW, और चित्रकूट में 800 MW क्षमता के सोलर पार्कों का कार्य प्रगति पर है|

महाराष्ट्र तथा केरल में हमने पीएसपी के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। केरल राज्य केसाथ पीएसपी के विकास से सम्बंधित एक समझौता ज्ञापन भी निष्पादित किया गया है। उत्तराखंड पावर कार्पोरेशन के साथ भी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए हैं जिसमें पारम्परिक जलविद्युत परियोजनाओं के साथ साथ पीएसपी का निर्माण भी शामिल है।

मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में टीएचडीसी अमेलिया कोयला खदान, देवग्राम रेलवे साइडिंग से कोयले की पहली खेप को वस्तुत: हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। टीएचडीसी अमेलिया कोयला खदान परियोजना के लिए एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि यह बिजली परियोजनाओं कीऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए अमेलिया कोयला खदान परियोजना से कोयला परिवहन की सफल शुरुआत टीएचडीसीआईएल ने हाल ही में अर्जित कर हम सभी गौरान्वित किया है । कोयला मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को जनवरी-2017 में अमेलिया कोयला खदान का आबंटन किया गया था जिससे कि उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में टीएचडीसीआईएल के खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट की कोयला आवश्यकता को पूरा किया जा सके। अमेलिया कोयला खदान का वाणिज्यिक प्रचालन निर्धारित समय से छह महीने पहले शुरू हो गया है जो कि एक विशिष्ट उपलब्धि है जिसके लिए मैं आप सभी का अभिनंदन करता हूँ ।

आज टीएचडीसी की पहचान हाइड्रो क्षेत्र की एक विशेषज्ञ संस्था और ऊर्जा क्षेत्र की एक स्टार कम्पनी के रूप में प्रतिष्ठित है । ऊर्जा क्षेत्र में किसी भी चुनौती के समय ऊर्जा मंत्रालय और ऊर्जा क्षेत्र के संस्थान हमारी ओर आशाभरी दृष्टि से देखते हैं । ऊर्जा क्षेत्र के प्रतिष्ठान और अन्य लोक उद्यमों के मध्य टीएचडीसी तकनीकी रूप से सक्षम कम्पनी के रूप में चिन्हित है; यहाँ तक कि देश की ऊर्जा नीति के निर्धारण में THDC के अभिमत को महत्व दिया जाता है। किसी नई पहल या नयी योजना के क्रियान्वयन में भी हमारी कम्पनी को प्राथमिकता दी जाती है। एक प्रतिष्ठान के रूप में टीएचडीसी का यह रूपांतरण, साकार हो रहा है। इस ट्रांसफॉर्मेशन को महसूस किया जा सकता है और इसका अहसास अप्रतिम है - अभूतपूर्व है। इसी सुखद अहसास के साथ कम्पनी के लिए, मेरे लिए और आप सबके लिए नयी चुनौतियों की शुरुआत होती है ; कम्पनी की ऐतिहासिक यात्रा से सीख लेते हुए हमें आगे आने वाले समय के लिए कम्पनी के विकास की दिशा निर्धारित करनी है ।

चुनौती है इस प्रतिष्ठा को बनाये रखने की ; चुनौती है प्रतिष्ठा के अनुरूप परिणाम देने की ; चुनौती है वह सब कर दिखाने की, जिसकी हमसे अपेक्षा की जा रही है। जो आशा इस कंपनी ने जगाई है, जो विश्वास इस कंपनी ने अर्जित किया है, उसको बनाये रखना और उसमे उत्तरोत्तर वृद्धि करना भी हमारे समक्ष चुनौती है।

SUSTAINABILITY इस पूरे अभियान का मूल मन्त्र है। यही समय है जब हमें पूरी प्रतिबद्धता के साथ, पूरे समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों के निर्वहन में जुट जाना है।

साथियों ! याद रहे, इस दौर में 99% पर्याप्त नही है। हमें अपनी 100% सामर्थ्य प्रदर्शित करनी है और इसके अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है। एक सुनहरा भविष्य आपका स्वागत करने को तत्पर है । उस स्वर्णिम अवसर की आभा क्षितिज पर उभरने लगी है, परन्तु वहां तक पंहुचने का पुरुषार्थ हमें प्रदर्शित करना है।

टीएचडीसी ने अपनी यात्रा में अद्वितीय उपलब्धियां हासिल की हैं। टिहरी जैसी विराट परियोजना को परिपूर्ण करने का गौरवपूर्ण इतिहास हमारी प्रेरणा है और हमारे आत्मविश्वास का स्त्रोत भी है। अब टिहरी परियोजना के आँचल की छाया से बाहर निकलने का समय है; अब समय है वास्तविकता के धरातल पर फिर से कदम बढ़ाने का। अब समय है उसी जोश को, उसी जज़्बे को, उसी समर्पण को और उसी प्रतिबद्धता को फिर से जीने का जो हमने टिहरी परियोजना के निर्माण में कर दिखाया था। टिहरी बाँध आपके जीवन की एक महान उपलब्धि है और उसके लिए तालियां बजाने का काम बाहरी दुनिया को करने दीजिये। आपको अगले शानदार पड़ाव की ओर बढ़ना है, केवल बढ़ना नहीं - दौड़ना है। एक भव्य और आलीशान अवसर आपके सम्मुख है।

एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य आपके सामने है। टीएचडीसी की एक नयी पहचान स्थापित करने का लक्ष्य - देश की एकीकृत ऊर्जा कम्पनी – Integrated Power Utility Company का दर्जा हासिल करने का अवसर हमारे सामने है और आप इस महान अवसर की दहलीज पर खड़े हैं। आज यह प्रश्न उठना ही नहीं चाहिए कि यह लक्ष्य कितना बड़ा है । केवल एक बिंदु पर ध्यान केंद्रित करना होगा कि हम मिलकर इस लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं - आवश्यकता है पूरे मनोयोग के साथ कार्य करने की और एक भव्य सोच प्रणाली को विकसित करने की, अब हमें संगठन को नवीन स्वरूप प्रदान करने के नए संकल्प और नई प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। आज आवश्यक है कि टीएचडीसी ऐसे नवीनतम स्वरूप में आगे बढ़े जो कि और अधिक व्यवसायिक हो तथा उभरते भारत में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के प्रति प्रतिबद्ध हो जिससे कि हमारा देश विश्व का नेतृत्व करे। इसके लिए हमें अपनी प्रतिबद्धता, समर्पण और कड़ी मेहनत करने की प्रतिज्ञा लेनी होगी।

टीएचडीसी नई प्रतिबद्धताओं और दृष्टिकोण के साथ अपनी पहचान का पुनर्निर्माण करने की प्रक्रिया में है जिसके लिए संगठन के कर्मचारियों को प्रोत्साहित एवं प्रेरित करने और उन्हें इस अभियान में सम्मिलित करने के लिए हर संभव प्रयास करने होंगे। कंपनी का नया दृष्टिकोण "थिंक बिग एंड एक्ट बिगर" पर आधारित है। किसी उत्पाद की सुपुर्दगी करना प्रतिबद्धता के साथ किया ऐसा वादा है जो संगठन के सभी हितधारकों के चेहरे पर मुस्कान लाए । हमने अपने कंधों पर वर्तमान एवं भावी जिम्मेदारियों को महसूस करते हुए ''टीएचडीसी उदय'' अभियान का शुभारंभ किया । आज़ादी के इस अमृत काल में हमारी कंपनी से देश की बड़ी अपेक्षाएं हैं और हमें विकास की इस प्रक्रिया में और सार्थक भूमिका अदा करने की ज़रूरत है ।

राष्ट्र की अपेक्षाओं और निगम की भविष्य की संभावनाओं और अवसरों को ध्यान में रखते हुए एक नए विज़न, मिशन और मूल्यों के निर्धारण की महती आवश्यकता थी; मुझे ख़ुशी है कि अभियान टीएचडीसी उदय के अंतर्गत हमने विभिन्न हितधारकों और कर्मचारी वर्गों के साथ सम्मिलित प्रयास के माध्यम से भविष्य में भी अपनी इस विजयी यात्रा को जारी रखने के लिए एक नए विज़न और मिशन पर कार्य किया है जिसे शीघ्र ही कंपनी में अंगीकृत किया जाएगा।

हमें प्रतिस्पर्धा में सदैव अग्रणी रहना होगा। ''टीएचडीसी उदय'' अभियान का शुभारंभ कंपनी के नवीन स्वरूप को स्थापित करने के लिए नई शक्ति एवं महत्वाकांक्षा के साथ किया गया है, जो कि भारत के सपनों को साकार करने के लिए तैयार है।

टीएचडीसी उदय-एक नए संकल्प की भोर !

कंपनी की इस विकास यात्रा की रणनीति स्पष्ट है - इस यात्रा में आपका प्रदर्शन, आपका योगदान सर्वोत्तम होना चाहिए - सर्वश्रेष्ठ होना चाहिए; सर्वश्रेष्ठ से कम कुछ भी स्वीकार्य नही है।

इस स्वतंत्रता दिवस पर हम अपने कार्यों को नया आयाम दें ; अपने शानदार अतीत से प्रेरणा लें और एक समृद्ध तथा सम्पन्न देश के निर्माण में योगदान देने का संकल्प करें । जिसे विश्व द्वारा आश्चर्य और प्रशंसा से देखा जा रहा है, वह है हमारा महान देश भारत ।

नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे त्वया हिन्दुभूमे सुखं वर्धितोहम्।
महामङ्गले पुण्यभूमे त्वदर्थे पतत्वेष कायो नमस्ते नमस्ते।।
जय हिन्द! जय टीएचडीसी!

राजीव विश्नोई

(आर. के. विश्नोई)

“इंसान को कठिनाइयों की आवश्यकता होती है, क्योंकि सफलता का आनंद उठाने के लिए ये ज़रूरी हैं।”
-डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

Sh. R. K. Vishnoi, CMD held a meeting with Hon’ble Lt. Governor of J&K

Sh. R. K. Vishnoi meeting with Hon’ble Lt. Governor of J&K

Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDC & NHPC held meeting with Hon’ble Lt. Governor of J&K Sh. Manoj Sinha on 29 August 2023. During the meeting Sh. Vishnoi laid emphasis on the need for the development of Mega Hydro Projects for harnessing of the vast untapped Hydropower potential in the UT of Jammu & Kashmir. This would be an important Milestone for the overall development of the UT, by being a harbinger of prosperity and social upliftment, apart from immensely contributing towards National Energy and Water Security. The Government of India has set an ambitious target of attaining Net Zero Carbon Emission norm by 2070. Jammu & Kashmir has most significant role in this Mission with the UT having total Hydropower potential of some 20 Gigawatt.

Sh. Vishnoi engages in discussion with Hon’ble Lt. Governor of J&K regarding Hydro Projects Development

Central CPSUs such as THDC India Limited and NHPC having core strength in Hydro Sector are most appropriately positioned for efficient and economic harnessing of Hydro Energy. THDC India Limited and NHPC are already most successfully harnessing Mega Hydro Projects in various parts of, the country and have State-of-Art expertise in all verticals of Hydro Energy e.g. Construction as well as Operation and Maintenance of Mega Hydro Projects.

The Hon’ble Lt Governor expressed his appreciation for the commendable works being carried out by NHPC for the development of Hydropower Projects in J&K. He assured Sh. Vishnoi of all support from UT administration of Jammu & Kashmir as well as the local authorities in faster implementation of the upcoming projects as well as assured of all help in exploration and harnessing of New Hydro Projects. Sh. Vishnoi, Chairman and Managing Director conveyed his sincere gratitude to the Hon’ble Lt. Governor for his overall guidance and support. He assured him of his commitment to prompt action towards harnessing New Hydro Projects in Jammu & Kashmir, by THDC India Limited and NHPC.

टीएचडीसी एनटीपीसी राजभाषा शील्ड (प्रोत्साहन) पुरस्कार से सम्मानित

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को एनटीपीसी राजभाषा शील्ड (प्रोत्साहन) पुरस्कार प्राप्त होने पर निगम के सभी कर्मचारियों को बधाई संप्रेषित की । यह पुरस्कार माननीय केंद्रीय मंत्री (विद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा), श्री आर. के. सिंह के कर कमलों द्वारा निदेशक (कार्मिक), टीएचडीसी, श्री शैलेंद्र सिंह को विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक में प्रदान किया गया । इस अवसर पर विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले सभी कार्यालय/ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के प्रमुख तथा प्रतिनिधि, हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य एवं अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

टीएचडीसी अपने मूल कार्यों के साथ ही अपने संवैधानिक एवं सांविधिक दायित्व को निभाने के लिए कृत संकल्प है | निगम प्रत्येक क्षेत्र जैसे सामाजिक कल्याण, पुनर्वास, परियोजना प्रभावित लोगों के लिए विकास एवं उत्थान, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा के सामुदायिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है|

इस अवसर पर टीएचडीसी के निदेशक (कार्मिक) श्री शैलेंद्र सिंह ने कहा कि यह निगम के लिए बहुत गौरव की बात है कि निगम प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है इस प्रदर्शन को सर्वश्रेष्ठ करने के लिए सभी कर्मचारियों के सहयोग की आवश्यकता है | सभी कर्मचारी हिंदी में अपना दैनिक कार्य करें और राजभाषा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाएं ।

इस बैठक में विद्युत मंत्रालय के नियंत्रणाधीन कार्यालयों और उपक्रमों की राजभाषा गृह पत्रिकाओं का विमोचन भी किया गया | इस अवसर पर टीएचडीसी की राजभाषा पत्रिका 'पहल' के जून 2023 अंक का विमोचन भी किया गया | माननीय केंद्रीय मंत्री (विद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा), श्री आर. के. सिंह के साथ विशेष सचिव (विद्युत मंत्रालय), श्री आशीष उपाध्याय, राजभाषा प्रभारी एवं आर्थिक सलाहकार (विद्युत मंत्रालय), श्री जितेश जॉन, टीएचडीसी के निदेशक (कार्मिक) श्री शैलेंद्र सिंह द्वारा विमोचन कार्यक्रम में भाग लिया गया |

पुरस्कार समारोह की कुछ झलकियां

Annual Safety Audit of 50 MW Solar Power Project, Kasaragod, Kerela

The Annual Safety Audit of the 50 MW Solar Power Project, Kasaragod, Kerela has been conducted by External Safety Auditor, in co-ordination with Corporate OMS Department, Rishikesh on 11 August 2023 at kasaragod Project. During the safety audit, Mr. Sanwal, External safety Auditor, Mr. Sandeep Gupta, AGM(safety), Rishikesh, Mr. P.Sudhakar, DGM(Solar), kasaragod and Tata Power Solar authorities were present.

"इंसान को कठिनाइयों की आवश्यकता होती है, क्योंकि सफलता का आनंद उठाने के लिए ये ज़रूरी हैं।"
-डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

हर्षोल्लास से मनाया गया 77वां स्वतंत्रता दिवस

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में भारत का 77वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया | इस अवसर पर कॉरपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश सहित सभी परियोजना कार्यालयों व इकाइयों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा वीर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को याद किया गया | इस विशेष अवसर पर कॉरपोरेशन के निदेशक (वित्त), श्री जे. बेहेरा ने कॉरपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में, निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह ने 1000 मे.वा. टिहरी परियोजना व निदेशक (तकनीकी), श्री भूपेन्द्र गुप्ता ने 1320 मे. वा. खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना में ध्वजारोहण किया |

ऋषिकेश

कॉरपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में स्वतंत्रता दिवस के सुअवसर पर श्री जे. बेहेरा, निदेशक (वित्त) द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया गया | इस अवसर पर श्री अतुल जैन, कार्यपालक निदेशक (तकनीकी), श्री ए. बी. गोएल, कार्यपालक निदेशक (वित्त), श्री वीर सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा.), एवं श्री ए. के. गोयल , उप सीवीओ मुख्य रूप से उपस्थित रहे |

स्वतंत्रता दिवस के सुअवसर पर कॉरपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ग्रुप फोटोग्राफ |

टिहरी

1000 मे.वा. टिहरी परियोजना में श्री शैलेंद्र सिंह, निदेशक (कार्मिक) ने देश के 77वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण किया व उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया | इस अवसर पर श्री शैलेन्द्र सिंह, निदेशक (कार्मिक), श्री एल.पी. जोशी, कार्यपालक निदेशक (टिहरी कॉम्प्लेक्स) द्वारा परियोजना कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कार्मिकों को पुरस्कृत करने के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देने वाले विजेता एवं उपविजेता छात्र–छात्राओं को ट्राफी प्रदान की गई एवं शुभकामनाएं दी गईं |

कोटेश्वर

400 मे.वा. कोटेश्वर परियोजना में श्री अनिरुद्ध कुमार बिश्नोई, महाप्रबंधक(परियोजना) द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया |

खुर्जा

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 1320 मे.वा. खुर्जा एसटीपीपी में अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते निदेशक(तकनीकी), श्री भूपेन्द्र गुप्ता |

1320 मे.वा. खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना में श्री भूपेन्द्र गुप्ता, निदेशक (तकनीकी) द्वारा ध्वजारोहण किया गया | इस अवसर पर श्री गुप्ता द्वारा परियोजना में स्थल पर उपस्थित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित भी किया गया |

कौशांबी

एनसीआर कार्यालय, कौशांबी में स्वतंत्रता दिवस के सुअवसर पर श्री संदीप सिंघल, मुख्य महाप्रबंधक (एनसीआर) द्वारा ध्वजारोहण किया गया |

पीपलकोटी

444 मे.वा. विष्णुगाड - पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में श्री आर. एन. सिंह, विशेष कार्याधिकारी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया |

अमेलिया

अमेलिया कोयला खदान परियोजना कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य श्री ए. के. शर्मा, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) द्वारा ध्वजारोहण किया गया |

देहरादून

देहरादून कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस के आयोजन का दृश्य |

ट्रेडको

ट्रेडको राजस्थान कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस के आयोजन का दृश्य |

कासरगॉड

भारत के 77 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 50 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना, कासरगॉड, केरल में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया |

टुस्को

77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर टुस्को लिमिटेड के सीईओ, श्री मनोज सरदाना ने सभी कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी।

झाँसी

77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर टुस्को लिमिटेड कार्यालय, झाँसी का दृश्य |

ललितपुर

77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर टुस्को लिमिटेड कार्यालय, , ललितपुर का दृश्य |

“इंसान को कठिनाइयों की आवश्यकता होती है, क्योंकि सफलता का आनंद उठाने के लिए ये ज़रूरी हैं।”
-डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

Angadan Mahotsav (Organ Donation)

Rishikesh

THDC India Limited organized Angadan Mahotsav (Organ Donation) at the Corporate Headquarters, Rishikesh along with the Project and Unit offices of the organization on 03rd August 2023 to promote awareness about organ donation and dispel misconceptions surrounding it.

Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director shed light on the initiatives undertaken by the Government of India to facilitate organ donation and transplant. Establishing the National Organ and Tissue Transplant Organization (NOTTO) under the Directorate General of Health Services, Ministry of Health and Family Welfare, Government of India has played a vital role in providing an efficient and organized organ procurement and distribution system in the country. NOTTO is an apex centre for All India activities of coordination and networking for procurement and distribution of Organs and Tissues and registry of Organs and Tissues Donation and Transplantation in the country. This measure aims to bridge the gap between organ donors and patients in need, ensuring a more streamlined approach to organ transplantation. In commemoration of Indian Organ Donation Day on 03rd August, 2023, the 'Angadan Mahotsav' awareness campaign under the prestigious banner of Azadi Ka Amrit Mahotsav was celebrated with fervour and dedication. This day marks the historical milestone of the first deceased donor organ transplant in India, which was also the first Heart transplant performed after the promulgation of "The Transplantation of Human Organs Act" on July 8, 1994. The Angadan Mahotsav witnessed active participation from all the employees, reflecting their dedication to this initiative.

Sh. J. Behera, Director (Finance) administered the pledge of ‘Angadan Mahotsav’ in the august presence of Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel) to all the employees at Corporate Office, Rishikesh, to

actively promote organ donation awareness and generously offer their organs for donation to benefit society. The Angadan Mahotsav witnessed active participation from all the employees, reflecting their dedication to this initiative.

Besides establishing Benchmarks in Hydro Energy Sector, THDCIL’s employees have always been in the forefront in actively participating in Social-Welfare initiatives. He expressed satisfaction in the team's collective efforts, exemplified by their enthusiastic participation and inspiring pledge. He added that the event serves as a testament to THDC India Limited's commitment to contributing to society's well-being and furthering the cause of organ donation awareness.

Glimpses of Angadan Mahotsav

Tehri

Koteshwar

Khurja

Amelia

Health and Hygienic Awareness Program at NCR Office, Kaushambi

A one-day Health and Hygienic Awareness training programme was organized on 31 August 2023 at NCR Office for the female employees (including FTBs and outsourced employees). Dr. Navneet Kiran, CMO/ AGM (Medical) conducted the training. The training covered information pertaining to menstrual health and hygiene, healthy diet and nutrition.

“इंसान को कठिनाइयों की आवश्यकता होती है, क्योंकि सफलता का आनंद उठाने के लिए ये ज़रूरी हैं।”
-डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

THDCIL conferred with CSR Times Award

THDC India Limited has been conferred with Prestigious CSR Times Award for its outstanding achievement in Corporate Social Responsibility Initiatives with a focus on ‘Water Conservation and Management’. The Award ceremony was presided by Hon’ble Union Minister of State, Health and Family Welfare, Prof. S. P. Singh Baghel. Dr. Laszlo Makk, Deputy Head of Mission, Envoy Extraordinary and Minister Plenipotentiary, Embassy of Hungary handed over the award under the 10th National CSR Summit & CSR Times Award, 2023; conference on the theme: “Achieving SDGs Through CSR In Developing Economics: Role of G20 Nations”, organized by The CSR TIMES on 21st August 2023.

THDCIL's remarkable endeavour in the realm of water conservation and environmental management have not only garnered appreciation but have transformed lives in the rural villages of Tehri Garhwal. These efforts have significantly eased the financial and physical burdens of the villagers by ensuring improved water availability.

The jury members and the chief guest at the event lauded THDCIL's sincere commitment to addressing acute water scarcity issues within its operational region. In response to the dire warnings about water crisis severity from UNDP, THDCIL initiated its CSR-driven 'Water Conservation and Management' project, executed through its sponsored society 'SEWA-THDC’. Under this groundbreaking initiative, THDCIL has achieved remarkable milestones, including the construction of 972 rainwater harvesting tanks, 2282 water recharge pits, 610 water trenches, 70 check dams, and 63 Chal-Khal structures. These efforts have not only alleviated water scarcity during lean seasons but have also breathed new life into Pratapnagar and Bhilangana Blocks of Tehri district, he added.

Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), THDCIL informed that in addition to its stellar water conservation project, THDCIL actively engages in healthcare initiatives. THDCIL operates allopathic and homeopathic dispensaries in areas affected by its projects and conducts medical camps across its operational domains, prioritizing the health and well-being of local communities. Education, too, stands as a cornerstone of THDCIL's CSR philosophy.

Sh. Shallinder Singh, Director(Personnel) receving the award on behalf of THDCIL

The company operates schools tailored for marginalized children, fostering educational opportunities where they are most needed. Furthermore, THDCIL contributes significantly to skill development by offering training programs and scholarships, empowering disadvantaged youths with essential skills for a brighter future. Empowerment, especially of women, remains central to THDCIL's CSR initiatives. Computer training, tailoring programs, beautician courses, and various livelihood activities are empowering women, contributing to their socio-economic growth and self-sufficiency. In its commitment to sustainable progress, THDCIL extends support to the agricultural sector. Farmers benefit from fruit saplings, vegetable seeds, polyhouses, and relevant training to enhance agricultural practices and increase yields.

In summary, THDC India Limited's CSR efforts span across multiple sectors, including healthcare, education, skill development, women's empowerment, and agriculture. With a holistic approach, the company envisions a brighter and more prosperous future for the communities it serves, Sh. Singh added.

This prestigious award in Bronze category was received on behalf of THDCIL by Sh. Shallinder Singh, Director(Personnel). The Ceremony was attended by leading Industrial and business houses from Government as well as private diaspora.

नराकास, हरिद्वार की 36वीं अर्धवार्षिक बैठक का आयोजन

राष्ट्र निर्माण में राजभाषा के व्यापक विकास के परिप्रेक्ष्य में हरिद्वार की 36वीं अर्धवार्षिक बैठक का आयोजन बीएचईएल, हरिद्वार के स्वर्ण जयंती हॉल में 22 अगस्त 2023 को सम्पन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता नराकास, अध्यक्ष एवं टीएचडीसीआईएल के निदेशक(कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह द्वारा की गई।

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग सरकारी स्तर पर हिंदी को पूर्ण रूप से अपनाए जाने के लिए प्रयासरत है और इसके लिए समय-समय पर अनेक दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं जिनका पालन संस्थानों में हर स्तर पर किया जाना चाहिए । सरकारी कामकाज में हिंदी को पूरी तरह से लागू करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया है और इस समय देश भर में 528 (पाँच सौ अट्ठाईस) समितियां इस दिशा में कार्य कर रही हैं। ये समितियां नगर में स्थित संस्थानों को अपनी परेशानियों/ कठिनाईयों के बारे में चर्चा करने के लिए एक खुला मंच प्रदान करती है। राजभाषा हिंदी का विकास न केवल देश को एक सूत्र में बांधता है, बल्कि राष्ट्र की संस्कृति, जीवनशैली, और समग्र आर्थिक विकास में भी मदद करता है।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम समिति के अध्यक्ष, निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह, कार्यपालक निदेशक (मा.सं.) बीएचईएल, श्री प्रवीण चन्द्र झा, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहायक निदेशक, श्री अजय कुमार चौधरी एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। बैठक में नराकास सचिव, श्री पंकज कुमार शर्मा द्वारा नराकास हरिद्वार द्वारा आयोजित गतिविधियों एवं राजभाषा से संबंधित नवीनतम जानकारियों से सभी को अवगत कराया। राजभाषा हिंदी की प्रगति की अर्धवार्षिक रिपोर्टों की समीक्षा सहायक निदेशक(राजभाषा), भारत सरकार श्री अजय कुमार चौधरी द्वारा की गई। इसके उपरांत चर्चा सत्र का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित सदस्य संस्थानों के प्रमुख एवं प्रतिनिधियों ने अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। बैठक में हरिद्वार, रूड़की, ऋषिकेश एवं पर्वतीय क्षेत्र में स्थित सदस्य संस्थानों के प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों एवं राजभाषा अधिकारियों ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया।

समिति के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में सभी सदस्य संस्थानों के प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों का स्वागत किया तथा बैठक के आयोजक संस्थान बीएचईएल हरिद्वार के बैठक के सफल आयोजन हेतु आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। श्री सिंह ने अपने सम्बोधन में संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा मई माह में की गई राजभाषा निरीक्षण की जानकारी दी, जिसमें हरिद्वार नराकास के कुछ संस्थान भी शामिल थे |

इस अवसर पर श्री शैलेन्द्र सिंह ने संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली भरने पर संगोष्ठी आयोजित करने का महत्वपूर्ण सुझाव भी दिया । साथ ही श्री सिंह ने कहा कि हमें अपने-अपने संस्थानों के अन्य कार्यों के साथ ही राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा सौंपे जाने वाले राजभाषा कार्यान्वयन के दायित्वों को सहर्ष स्वीकार करते हुए राजभाषा हिंदी के प्रतिशत को शत प्रतिशत तक प्राप्त करना है तथा इस लक्ष्य को प्राप्त करने में नराकास जैसे मंच बहुत अधिक सहायक हो सकते हैं। श्री सिंह ने सभी संस्थानों के प्रमुखों से अनुरोध किया की नराकास कि अर्धवार्षिक बैठकों में संस्थान प्रमुखों की उपस्थिति अनिवार्य है इसे अवश्य ही ध्यान में रखना चाहिए तथा राजभाषा विभाग द्वारा भी इस पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

नराकास, हरिद्वार की 36वीं अर्धवार्षिक बैठक के आयोजन की कुछ झलकियाँ

"इंसान को कठिनाइयों की आवश्यकता होती है, क्योंकि सफलता का आनंद उठाने के लिए ये ज़रूरी हैं।"
-डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

THDCIL Planting Seeds of Patriotism with 'Meri Maati Mera Desh' Campaign

As per the directives of the Ministry of Culture, Government of India, THDC India Limited successfully organized "Merihe Maati Mera Desh" campaign with the planting of 75 saplings of indigenous species near Bhagirathi Bhawan, at the Corporate Headquarters Rishikesh as a part of the creation of the "Amrit Vatika" on 28 August 2023. This special campaign stands as a poignant tribute to India's historical journey towards freedom and progress, all while honoring the 'Veers' who have made the ultimate sacrifice for our nation.

This initiative perfectly aligns with THDCIL's steadfast commitment to corporate social responsibility and its unwavering determination to positively impact society and the environment. The campaign's overarching aim was to instill a profound sense of national pride and to inspire future generations to safeguard India's cherished heritage in THDC's journey of providing sustainable affordable power 24 x 7 to all.

Sh. J. Behera, Director(Finance) and Sh. Shallinder Singh, Director(Personnel) enriches the occasion by planting a tree

Sh. J. Behera, Director (Finance) and Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel) and other senior official of THDC India Limited marked the occasion by planting saplings symbolizing growth, resilience, and remembrance. Sh. J. Behera during his address to the employees present on the occasion emphasized that the Nationwide "Meri Mati Mera Desh" campaign was launched to pay tribute to the courageous souls who laid down their lives for the country.

It envisions a unified celebration of India's soil and valour.

Sh. Shallinder Singh stressed the importance of initiatives like "Meri Maati Mera Desh" by the Government of India in instilling a profound sense of national pride. He noted how such initiatives serve as enduring sources of inspiration for future generations, encouraging them to safeguard India's cherished heritage.

Glimpses of Panch-Pran Pledge Administering Ceremony

Sh. J. Behera, D(F), Sh. Shallinder Singh, D(P) and Sh. Bhupender Gupta, D(T) administering the Panch-Pran Pledge at Corporate Office, Tehri Project and Khurja Super Thermal Power Project

"Winners don't do different things; they do things differently."- Shiv Khera

In Their Debut Match, THDC Team Secured Third Position in Women's Singles Category at the ICPSU Table Tennis Tournament

THDC India Limited's Women and Men's Team participated in Inter-Central Power Sector Undertakings Table Tennis Tournament organized by Grid Controller of India under the aegis of Power Sports Control Board at Bangalore from 31 August to 02 September 2023.
During the tournament Ms. Bhawna Rawat, Manager (Planning), Tehri secured third position in Women's Singles Category and Women's Team secured fourth position in Women's Team Events.

Ms. Bhawna Rawat, Manager presenting the trophy to Sh. Shallinder Singh, Director(Personnel), THDCIL

A Group photo of the THDCIL Team during the closing ceremony of the tournament

THDC Ladies Welfare Association

Rishikesh

Members of THDC Ladies Welfare Association "Tejaswini" organized a warm welcome ceremony for Mrs. Manu Shikha Gupta, Patron, Ladies Club on 13 July 2023 at Rasmanjari Hall, Rishikesh. Mrs. Chanchal Vishnoi, Chief Patron, Mrs Sagarika Behera, Patron along with all the members of the association were present during the occasion.

Members of THDC Ladies Welfare Association "Tejaswini" celebrated Teej festival with fervour and enthusiasm on 19 August 2023 at Rishikesh. Mrs. Chanchal Vishnoi, Chief Patron, Mrs Sagarika Behera, Patron, Mrs. Manu Shikha Gupta, Patron along with all the members of the association were present during the occasion.

A Captivating Group Snapshot Captured During the Hariyali Teej Celebration by the Members of the Tarangini Officers Ladies Club, Tehri Project

A Captivating Group Snapshot Captured During the Hariyali Teej Celebration by the Members of the Ladies Club, Khurja Super Thermal Power Project

एक दिवसीय Gender Sensitization & POSH Act पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु 17 अगस्त 2023 को एक दिवसीय Gender Sensitization & POSH Act पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम की मुख्य संकाय डॉ. सुरभि सिंह, अध्यक्ष, सच्ची सहेली रहीं। इस अवसर पर श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) द्वारा डॉ. सुरभि सिंह, अध्यक्ष, सच्ची सहेली एवं उनके सहयोगियों को प्लान्टर से सम्मानित कर स्वागत किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुरुष एवं महिला कर्मियों ने बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया।

एक दिवसीय Gender Sensitization & POSH Act पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन का दृश्य।

राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन

श्री अनिरुद्ध कुमार बिश्नोई, महाप्रबंधक (परियोजना) द्वारा कोटेश्वर परियोजना में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की शपथ दिलाई गई।

श्री आर.एन. सिंह, विशेष कार्य अधिकारी (परियोजना) द्वारा वीपीएचईपी में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की शपथ दिलाई गई।

देहरादून कार्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस की शपथ ग्रहण का दृश्य।

जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बुलंदशहर द्वारा 1320 मे.वा. खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना का दौरा

05 अगस्त 2023 को श्री सी.पी. सिंह, जिलाधिकारी, बुलंदशहर एवं श्री श्लोक कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बुलंदशहर द्वारा 1320 मे.वा. खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना का दौरा किया गया। श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) द्वारा जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय को प्लांट भेंट कर उनका स्वागत किया गया। जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा परियोजना प्रमुख सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं परियोजना निर्माण में लगी समस्त कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक की शुरुआत करते हुए श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) ने जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को परियोजना के विकास कार्यों से अवगत कराया एवं बताया कि भारत सरकार व प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप निर्धारित समयावधि में परियोजना को पूर्ण किये जाने हेतु प्रयासरत है।

श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) जिलाधिकारी व वरि. पुलिस अधीक्षक का स्वागत करते हुए।

TUSCO LIMITED AT GLANCE...

STATUS OF ULTRA MEGA RENEWABLE ENERGY POWER PARKS (UMREPPs) IN UTTAR PRADESH

600 MW Solar Power Park in Jhansi:

Approx. 2211 acre (74%) of Land has been acquired as per DPR provision (i.e. 3000 acre)
Fencing work/Project boundary of the Jhansi Solar Park is under progress.
Subsequent to issuance of detailed guidelines for deposition of lease rent of govt. land on 03.08.2023 by GoUP, the lease rent amount of Rs. 264 (for One Year @Rs.1/acre/year) has been deposited for transfer of 263.77 acre of Govt. Land for 600 MW Jhansi Solar Power Project to “NEDA LEASE RENT ACCOUNT” of UPNEDA.

600 MW Solar Power Park in Lalitpur:

Approx. 1015 acre (34%) of Land has been acquired as per DPR provision (i.e. 3000 acre).
DPR has been sent to the MNRE/SECI for its approval, which is awaited.
Subsequent to issuance of detailed guidelines for deposition of lease rent of govt. land on 03.08.2023 by GoUP, the lease rent amount of Rs. 1318 (for One Year @Rs.1/acre/year) has been deposited for transfer of 1317.8 acre of Govt. Land for 600 MW Lalitpur Solar Power Project to “NEDA LEASE RENT ACCOUNT” of UPNEDA.

800 MW Solar Power Park in Chitrakoot:

Approx. 1167 acre (29%) of Land has been acquired as per DPR provision (i.e. 4000 acre).
The Preparation of DPR of 800 MW Chitrakoot Solar Park is under finalization.
Subsequent to issuance of detailed guidelines for deposition of lease rent of govt. land on 03.08.2023 by GoUP, the lease rent amount of Rs. 955 (for One Year @Rs.1/acre/year) has been deposited for transfer of 955 acre of Govt. Land for 800 MW Chitrakoot Solar Power Project to “NEDA LEASE RENT ACCOUNT” of UPNEDA.

आपदा प्रभावित गांवों के लिए 444 मे.वा. वीपीएचईपी आशा और जिम्मेदारी की किरण बनकर उभरा

444 मे.वा. विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना के क्षेत्रीय इलाकों में 13 अगस्त 2023 को अचानक बादल फटने से अत्यधिक तबाही हुई, जिससे स्थानीय निवासियों का जीवन बाधित हो गया। इस आपदा के बाद भारी बारिश और लगातार भूस्खलन हुआ जिसने घरों और सड़कों को भारी नुकसान हुआ | सड़कों के टूटने व मलवा जमा होने के कारण, वहाँ के स्थानीय लोगों का बाहरी दुनिया से सम्पर्क टूट गया और जल आपूर्ति भी बाधित हुई, जिससे पेयजल की गंभीर समस्या उत्पन्न हुई। इस प्राकृतिक आपदा में अनेक लोग घायल भी हुए जिन्हें तुरंत उपचार की जरूरत थी |

इस आपदा के बीच वीपीएचईपी आशा और जिम्मेदारी की किरण बनकर उभरी। टीएचडीसी के अधिकारियों द्वारा प्रभावित गावों में जाकर आपदा से हुए नुकसान का जायजा लिया गया और समाज के प्रति सेवा की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, निगम ने स्थिति से निपटने त्वरित और सक्रिय कार्रवाई की।

वीपीएचईपी की दूरदर्शी टीम द्वारा सावधानीपूर्वक पीपलकोटी को तेंदुली पुल से तीन पड़ोसी ग्राम पंचायतों को जोड़ने वाली यह सड़क जो 20 से 25 गांवों को पीपलकोटी शहर व बद्रीनाथ राष्ट्रीय मार्ग-58 से जोड़ती है, को ठीक करवा कर बहाल कराया | इसी के साथ पानी के टैंकरों द्वारा प्रभावित गांवों जैसे दुर्गापुर (कैम्प), मायापुर, पीपलकोटी, गडोरा, गढ़ी, अबथला, धर्मशाला काली-कमली, दसवाना, अलदाना, आदि में पेयजल की समस्या को दूर किया और निशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का भी आयोजन किया गया |

444 मे.वा. विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना द्वारा आपदा प्रभावित गावों में राहत कार्यों के कुछ दृश्य

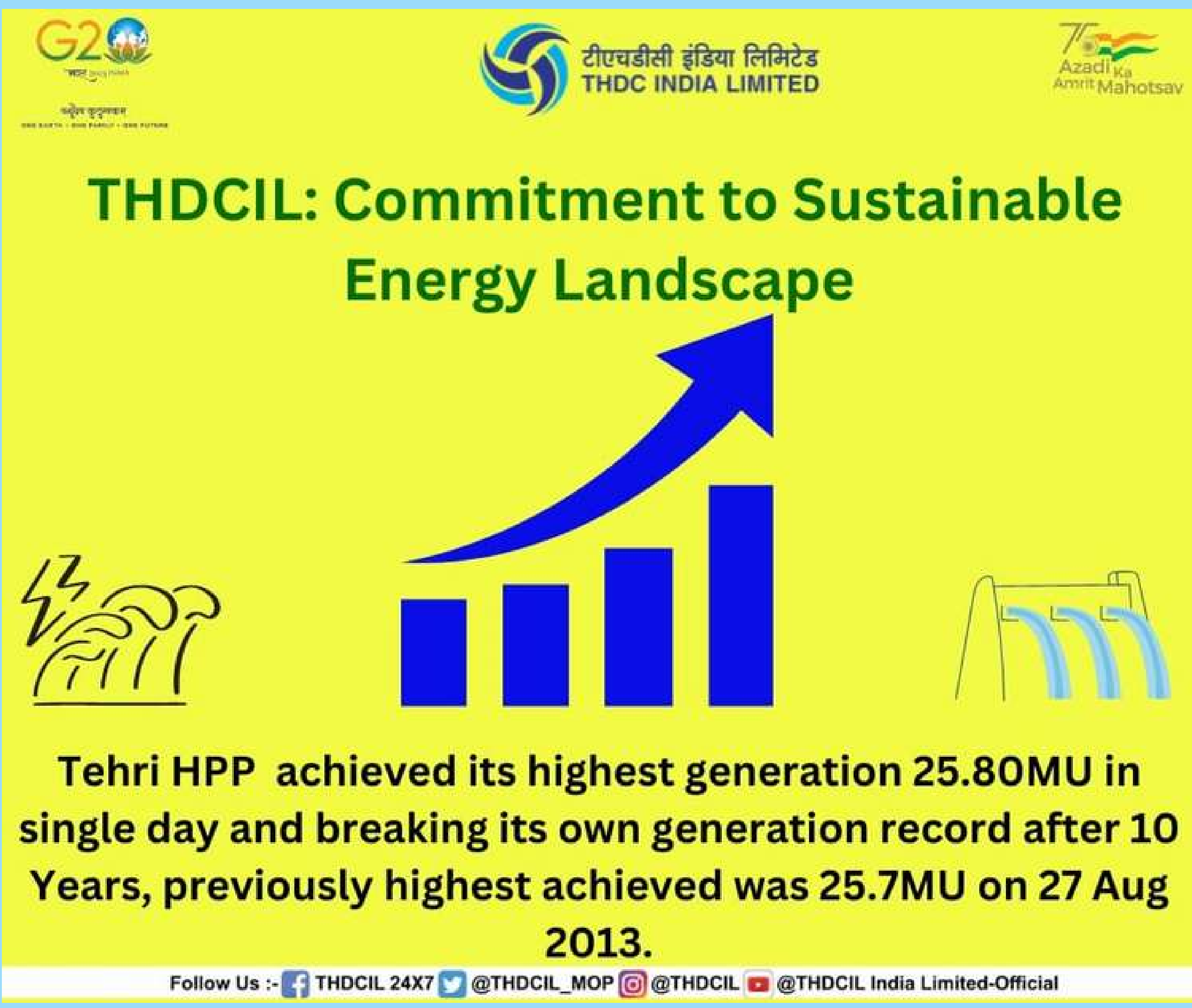

“Winners don't do different things; they do things differently.”- Shiv Khera

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

श्री के. पी. सेमवाल
अपर महाप्रबंधक (डिजाइन-सिविल)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31.08.2023

श्री मनोज त्यागी
अपर महाप्रबंधक (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सचिवालय) ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31.08.2023

श्री अनुरोध कुमार चमोली
उप महाप्रबंधक (जी एन्ड जी)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31.08.2023

श्री रवींद्र सिंह नेगी
वरिष्ठ प्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31.08.2023

श्री भरत शर्मा
उप अधिकारी (वाहन ऑपरेटर)
कौशांबी
सेवानिवृत्ति: 31.08.2023

श्री वीरेंद्र सिंह पुंडीर
उप अभियंता (इलेक्ट्रिकल)
पीपलकोटी
सेवानिवृत्ति: 31.08.2023

श्री रमेश चंद्र
सफाई कर्मचारी (डिजाइन-इलेक्ट्रिकल)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31.08.2023

"इंसान को कठिनाइयों की आवश्यकता होती है, क्योंकि सफलता का आनंद उठाने के लिए ये ज़रूरी हैं।"
-डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

THDC IN NEWS

टीएचडीसी ने हर्षोल्लास के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

सत्य संगम संवाददाता

ऋषिकेश। स्वतंत्रता दिवस की 77वी वर्षगाँठ टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। मंगलवार को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने ऋषिकेश में अपने कारपोरेट कार्यालय के साथ-साथ अपनी विभिन्न परियोजनाओं और यूनिट कार्यालयों में 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाया है । इस दौरान भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों के उल्लेखनीय योगदान को याद करते हुए, निगम के कर्मचारी बेहद प्रसन्न और अटूट देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत दिखाई दिए । श्री. जे. बेहेरा, निदेशक (वित्त) ने ऋषिकेश में निगम के कारपोरेट कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया है । टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आर.के. विश्नोई ने निगम के सभी कर्मचारियों और उनके परिवार के उल्लेखनीय योगदान को याद करते हुए,

को आजादी मिली तब हमारी जीडीपी केवल 2.7 लाख करोड़ रुपये थी जो अब प्रभावी रूप से बढ़कर 3.38 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई है और भारत 2030 से पहले 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के विकास पथ पर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित अद्यतन योगदान (एनडीसी) के अनुरूप, भारत सरकार

साथ ही टिहरी प्रोजेक्ट साइट , खुज एसटीपीपी परियोजना सहित सभी प ध्वजारोहण किया ।सभी परियोजनाअ और इकाई कार्यालयों में पंच प्रण प्रतिज्ञ भी ली है । टीएचडीसी के प्रबं निदेशक आर के बिश्नोई ने बताया वि देश के बिजली क्षेत्र के विकास प्रत्येक कर्मचारी की महत्वपूर्ण भूमिक है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को इ

जम्मू-कश्मीर में मेगा जल विद्युत योजनाओं के विकास की जरूरत

नई दिल्ली में जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात करते टीएचडीसी व एनएचपीसी के सीएमडी आरके विश्नोई ● सौजन्य: टीएचडीसी

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश : एनएचपीसी और टीएचडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आरके विश्नोई ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। इस दौरान सीएमडी विश्नोई ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में विशाल अप्रयुक्त जलविद्युत क्षमता के दोहन के लिए मेगा जल विद्युत परियोजनाओं के विकास पर जोर दिया।

नई दिल्ली में हुई मुलाकात में टीएचडीसी के सीएमडी आरके विश्नोई ने बताया कि भारत सरकार ने वर्ष 2070 तक निवल शून्य कार्बन उत्सर्जन मानदंड प्राप्त करने का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इस मिशन में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है क्योंकि इस केंद्र शासित प्रदेश की कुल जलविद्युत क्षमता लगभग 20 गीगावाट है।

उन्होंने कहा कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड और एनएचपीसी पहले से ही देश के विभिन्न हिस्सों में मेगा हाइड्रो परियोजनाओं का सफलतापूर्वक प्रचालन कर रहे हैं एवं दोनों कंपनियों को जल विद्युत के सभी क्षेत्रों अर्थात मेगा हाइड्रो परियोजनाओं का निर्माण, प्रचालन और अनुरक्षण में अत्याधुनिक विशेषज्ञता हासिल है। उप राज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर में जल विद्युत परियोजनाओं के विकास के लिए एनएचपीसी की ओर से किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने आरके विश्नोई को आगामी परियोजनाओं के तेजी से कार्यान्वयन के लिए प्रशासन के साथ-साथ स्थानीय अधिकारियों की ओर से सभी प्रकार का समर्थन देने के लिए आश्वस्त किया, साथ ही नई जलविद्युत परियोजनाओं की खोज और दोहन में हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

टीएचडीसी को एनटीपीसी राजभाषा शील्ड पुरस्कार

● **सामाजिक दायित्व को निभाने को हैं कृत संकल्पः विश्नोई**

भास्कर समाचार सेवा

टीएचडीसी को एनटीपीसी राजभाषा शील्ड पुरस्कार प्रदान करते केंद्रीय मंत्री।

ऋषिकेश। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आरके विश्नोई ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को एनटीपीसी राजभाषा शील्ड (प्रोत्साहन) पुरस्कार प्राप्त होने पर निगम के सभी कर्मचारियों को बधाई दी। यह पुरस्कार केंद्रीय मंत्री (विद्युत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा) आरके सिंह ने निदेशक (कार्मिक) टीएचडीसी शैलेंद्र सिंह को विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक में प्रदान किया। विश्नोई ने कहा कि टीएचडीसी अपने मूल कार्यों के साथ ही अपने संवैधानिक एवं सामाजिक दायित्व को निभाने के लिए कृत संकल्प है। निगम प्रत्येक क्षेत्र जैसे सामाजिक कल्याण, पुनर्वास, परियोजना प्रभावित लोगों के लिए विकास एवं उत्थान, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा के सामुदायिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है। इस अवसर पर टीएचडीसी के निदेशक (कार्मिक) शैलेंद्र सिंह ने कहा कि यह निगम के लिए बहुत गौरव की बात है कि निगम प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है इस प्रदर्शन को सर्वश्रेष्ठ करने के लिए सभी कर्मचारियों के सहयोग की आवश्यकता है सभी कर्मचारी हिंदी में अपना दैनिक कार्य करें और राजभाषा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाए। इस बैठक में विद्युत मंत्रालय के नियंत्रणाधीन कार्यालयों और उपक्रमों की राजभाषा गृह पत्रिकाओं का विमोचन भी किया गया।

टीएचडीसी एमडी ने दी बधाई

नई दिल्ली (वि.)। टीएचडीसी के सीएमडी आर.के. विश्नोई ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को एनटीपीसी राजभाषा शील्ड (प्रोत्साहन) पुरस्कार प्राप्त होने पर निगम के सभी कर्मचारियों को बधाई दी है। यह पुरस्कार बिजली मंत्री आर. के. सिंह द्वारा टीएचडीसी के निदेशक (कार्मिक) शैलेंद्र सिंह को विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक में प्रदान किया गया। इस अवसर पर विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले सभी कार्यालय/ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के प्रमुख तथा प्रतिनिधि, हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य एवं अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। विश्नोई ने इस अवसर पर कहा कि टीएचडीसी अपने मूल कार्यों के साथ ही अपने संवैधानिक एवं सामाजिक दायित्व को निभाने के लिए कृत संकल्प है निगम प्रत्येक क्षेत्र जैसे सामाजिक कल्याण, पुनर्वास, परियोजना प्रभावित लोगों के लिए विकास एवं उत्थान, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा के सामुदायिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है। इस अवसर पर टीएचडीसी के निदेशक (कार्मिक) श्री शैलेंद्र सिंह ने कहा कि यह निगम के लिए बहुत गौरव की बात है कि निगम प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है। इस बैठक में विद्युत मंत्रालय के नियंत्रणाधीन कार्यालयों और उपक्रमों की राजभाषा गृह पत्रिकाओं का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर टीएचडीसी की राजभाषा पत्रिका 'पहल' के जून 2023 अंक का विमोचन भी किया गया।

एनएचपीसी एवं टीएचडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने जम्मू-कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से की मुलाकात

ऋषिकेश,(नि०स०)। एनएचपीसी और टीएचडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने जम्मू-कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान श्री विश्नोई ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में विशाल अप्रयुक्त जलविद्युत क्षमता के दोहन के लिए मेगा जल विद्युत परियोजनाओं के विकास की आवश्यकता पर जोर दिया । उन्होंने कहा कि यह केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। इससे न केवल राष्ट्रीय ऊर्जा और जल सुरक्षा में योगदान मिलेगा, साथ ही यह सामाजिक विकास एवं समृद्धि में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

श्री विश्नोई ने बताया कि भारत सरकार ने 2070 तक निवल शून्य कार्बन उत्सर्जन मानदंड प्राप्त करने का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इस मिशन में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है क्योंकि इस केंद्र शासित प्रदेश की कुल जलविद्युत क्षमता लगभग 20 गीगावाट है । उन्होंने आगे कहा कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड और एनएचपीसी का जल विद्युत क्षेत्र में प्रमुख रूप से कार्य कर रहे हैं तथा ये जल विद्युत के कुशल और आर्थिक दोहन के लिए सबसे उपयुक्त स्थिति में हैं। श्री विश्नोई ने कहा कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड और एनएचपीसी पहले से ही देश के विभिन्न हिस्सों में मेगा हाइड्रो परियोजनाओं का सफलतापूर्वक प्रचालन कर रहे हैं एवं दोनों कंपनियों को जल विद्युत के सभी क्षेत्रों अर्थात मेगा हाइड्रो परियोजनाओं का निर्माण, प्रचालन और अनुरक्षण में अत्याधुनिक विशेषज्ञता हासिल है। माननीय उपराज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर में जल विद्युत परियोजनाओं के विकास के लिए एनएचपीसी द्वारा किए जा रहे सराहनीय कार्यों की सराहना की। उन्होंने श्री विश्नोई को आगामी परियोजनाओं के तेजी से कार्यान्वयन के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के प्रशासन के साथ-

साथ स्थानीय अधिकारियों की ओर से सभी प्रकार का समर्थन देने हेतु आश्वस्त किया, साथ ही नई जलविद्युत परियोजनाओं की खोज और दोहन में हर संभव मदद का आश्वासन दिया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री विश्नोई ने माननीय उपराज्यपाल को उनके समग्र मार्गदर्शन और समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया तथा उन्होंने टीएचडीसीआईएल और एनएचपीसी द्वारा जम्मू-कश्मीर में नई जलविद्युत परियोजनाओं के दोहन की दिशा में त्वरित कार्रवाई के लिए अपनी प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया।

THDC India Conferred with Prestigious CSR Times Award

R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDC India Limited informed that the organization been conferred with Prestigious CSR Times Award for its outstanding achievement in Corporate Social Responsibility Initiatives with a focus on 'Water Conservation and Management'. The Award ceremony was presided by Union Minister of State, Health and Family Welfare, Prof. S. P. Singh Baghel. Dr. Laszlo Makk, Deputy Head of Mission, Envoy Extraordinary and Minister Plenipotentiary, Embassy of Hungary handed over the award under the 10th National CSR Summit & CSR Times Award, 2023; conference on the theme: "Achieving SDGs Through CSR In Developing Economics: Role of G20 Nations", organized by The CSR TIMES on 21st August 2023.

On the occasion of the 77th Independence Day, R K Vishnoi, Chairman and MD, THDC India Limited, extended greetings to all the employees of the organisation and their family members. The celebration held at its corporate office in Rishikesh, as well as across its various Projects and Unit offices on Tuesday. On this prestigious day, J Behera, Director (Finance), hoisted the National Flag at the Corporate Office in Rishikesh, followed by address to all the assembled employees and their family members. At Tehri HPP, Shallinder Singh, Director (Personnel), hoisted the National Flag with equal pride and enthusiasm, while in Khurja STPP, Bhupender Gupta, Director (Technical), performed the honour of hoisting the National Flag.

R K Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDC India Limited extended his heartfelt congratulations to all the employees of the corporation for being honoured with the esteemed 'NTPC Rajbhasha Shield (Consolation) Award for the year 2022-23'. The presentation of the award was an esteemed moment with Minister of Power and New & Renewable Energy, R K Singh handing over the accolade to Shallinder Singh, Director (Personnel), THDC during the Hindi Advisory Committee meeting of the Ministry of Power held in Delhi

THDCIL conferred with CSR Times Award

Rishikesh, Aug 21 (HTNS): R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDC India Limited informed that the organization been conferred with CSR Times Award for its outstanding achievement in Corporate Social Responsibility Initiatives with a focus on 'Water Conservation and Management'.

The Award ceremony was presided by Union Minister of State, Health and Family Welfare, Prof. S. P. Singh Baghel. Dr. Laszlo Makk, Deputy Head of Mission, Envoy Extraordinary and Minister Plenipotentiary, Embassy of Hungary handed over the award under the 10th National CSR Summit & CSR Times Award, 2023; conference on the theme: "Achieving SDGs Through CSR In Developing Economics: Role of G20 Nations", organized by The CSR TIMES on 21 August.

Vishnoi added that THDCIL's remarkable endeavour in the realm of water conservation and environmental management have not only garnered appreciation but have transformed lives in the rural villages of Tehri Garhwal.

These efforts have significantly eased the financial and physical burdens of the villagers by ensuring improved water availability.

Vishnoi further added that the jury members and the chief guest at the event lauded THDCIL's sincere commitment to addressing acute water scarcity issues within its operational region.

In response to the dire warnings about water crisis severity from UNDP, THDCIL initiated its CSR-driven 'Water Conservation and Management' project, executed through its sponsored society 'SEWA-THDC'.

Speaking on the occasion, Shallinder Singh, Director (Personnel), THDCIL informed that in addition to its stellar water conservation project, THDCIL actively engages in healthcare initiatives.

It operates allopathic and homeopathic dispensaries in areas affected by its projects and conducts medical camps across its operational domains, prioritizing the health and well-being of local communities.

Education, too, stands as a cornerstone of THDCIL's CSR philosophy.

The award in Bronze category was received on behalf of THDCIL by Shallinder Singh, Director(Personnel).

The ceremony was attended by leading Industrial and business houses from Government as well as private diaspora.

टीएचडीसी को मिला सीएसआर टाइम्स अवार्ड

ऋषिकेश, (पंजाब केसरी): टीएचडीसी इंडिया लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने बताया कि टीएचडीसीआईएल को 'जल संरक्षण और प्रबंधन' पर ध्यान देने के साथ कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए प्रतिष्ठित सीएसआर टाइम्स अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रो. एस. पी. सिंह बघेल ने की। डॉ. लास्जलो मक्क, मिशन के उप प्रमुख, विशेष दूत और प्रतिनिधि मंत्री, ने हंगरी दूतावास में 10वें राष्ट्रीय सीएसआर शिखर सम्मेलन और सीएसआर टाइम्स अवार्ड, 2023 में यह पुरस्कार प्रदान किया। यह सम्मेलन 21 अगस्त, को आयोजित किया गया।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन व जनसम्पर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड़, ऋषिकेश-249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित
फोन: 0135-2473504, वेबसाइट:www.thdc.co.in, ईमेल: prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com

गृह पत्रिका/न्यूज लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनके टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं हैं |
(निशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)

Designed In-House by Corporate Communication Department, Rishikesh

THDCIL's Official Social Media handles for latest updates

Facebook | Twitter | YouTube | LinkedIn